



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, १ अगस्त, २००५/१० शावण, १९२७

हिमाचल प्रदेश सरकार
विधि विभाग

अधिभूतना

शिमला-२, २६ जुलाई, २००५

संख्या एल० एल० ग्रार०-ई० (९)-३९/२००५-वे.ज. —श्री विन्तु भसीन, अधिवक्ता ने शिमला (शहरी) उप-मण्डल, जिला शिमला की सीमाओं के भीतर, नोटरी के रूप में नियुक्ति के लिए नोटरी अधिनियम, १९५२ (१९५२ का ५३) और उसके अन्तर्गत नोटरी नियम, १९५६ के अधीन आवेदन किया है और इस मम्बन्ध में अधिनियम और नियमों द्वारा अपेक्षित सभी ग्रौपचारिकताएं पूरी कर ली हैं;

अन्तः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, जिला मैजिस्ट्रेट, शिमला की सिफारिशों पर, जोकि इस निमित्त सभी प्राधिकारी हैं, और नोटरी नियम, १९५६ के नियम ४ के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा ३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री विन्तु भसीन अधिवक्ता ने शिमला (शहरी) उप-मण्डल, जिला शिमला की सीमाओं के भीतर तुरन्त प्रभाव से नोटरी पक्षिक नियुक्त करते हैं तथा वह भी नियोजित है कि इनका नाम सरकार द्वारा इस निमित्त बनाए गए रजिस्टर में दर्ज कर दिया जाए।

आदेश द्वारा,

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. LLR-E(9)-39/2005-Leg., dated 26-7-2005 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 26th July, 2005

No. LLR-E(9)-39/2005 Leg.—WHEREAS Shri Vinnu Bhasin, Advocate, Shimla has applied for appointment as Notary Public under the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) and the Notaries Rules, 1956 made thereunder, within the territorial limits of Shimla (Urban) Sub-Division of Shimla district;

AND WHEREAS all the formalities required under the said Act and Rules have been completed;

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh, on the recommendations of the District Magistrate, Shimla, who is a competent authority and in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, read with rule 8 of the Notaries Rules, 1956 is pleased to appoint Shri Vinnu Bhasin, Advocate as Notary Public within the limits of Shimla (Urban) Sub-Division of Shimla district, Himachal Pradesh with immediate effect with the direction that his name may be entered in the Register of Notaries maintained by the Government.

By order,

SURINDER SINGH THAKUR,
Secretary (Law).